Maharashtra State Board Class 10 Hindi Lokbharti Chapter 2 लक्ष्मी

Hindi Lokbharti 10th Std Digest Chapter 2 लक्ष्मी Textbook Questions and Answers

सूचना के अनयुार कृहतँ कीहजए:

प्रश्न 1.
संजाल पूण् कीहजए:

उत्तर:

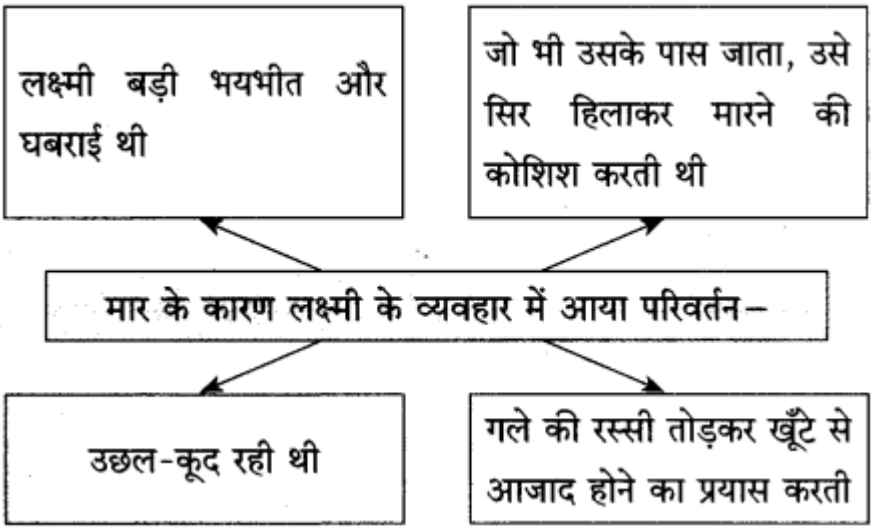

प्रश्न 2.
उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए:
१. उसके गले में रस्सी थी।
२. रहमान बड़ा मूर्ख है।
३. वह लक्ष्मी को सड़क पर ले आया।
४. उसने तुम्हें बड़ी बेदर्दी से पीटा है।
उत्तर:
(i) उसने तुम्हें बेदर्दी से पीटा है।
(ii) रहमान बड़ा मूर्ख है।
(iii) उसके गले में रस्सी थी।
(iv) वह लक्ष्मी को सड़क पर ले आया।

प्रश्न 3.
उततर हलखखए:

उत्तर:

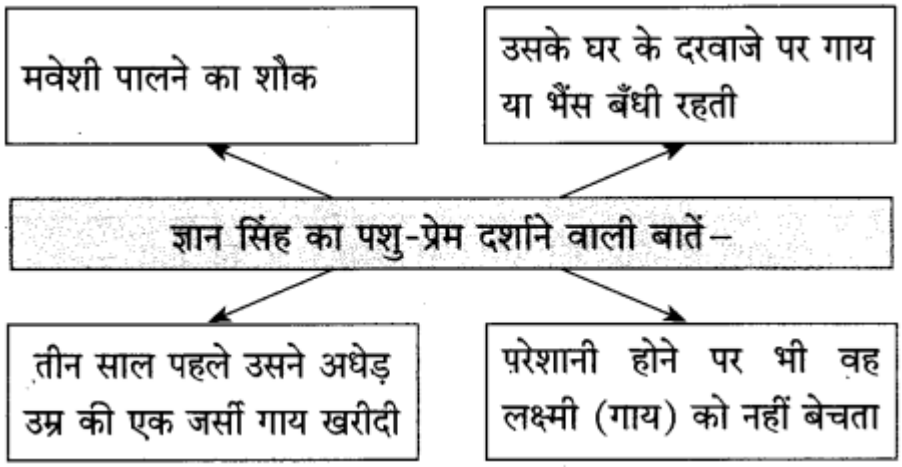

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
गलत वाक्य, सही करके लिखिए:
१. करामत अली पिछले चार सालों से गाय की सेवा करता चला आ रहा था।
२. करामत अली को लक्ष्मी की पीठ पर रोगन लगाने के बाद इत्मीनान हुआ।
उत्तर:
(i) करामत अली पिछले एक साल से गाय की सेवा करता चला आ रहा था।
(ii) करामत अली को लक्ष्मी की पीठ पर रोगन लगाने के बाद भी इत्मीनान नहीं हुआ।

प्रश्न 5.
हनम्हलखखत मयुदो के आधार पर वर्णन कीहजए:

करामत अली की गाय →

१. नाम –
२. उम्र –
३. नस्ल –
४. स्थिति –

उत्तर:

करामत अली की गाय का वर्णन–

- **नाम** : लक्ष्मी
- **उम्र** : अधेड़ उम्र
- **नस्ल** : जर्सी
- **स्थिति** : बूढ़ी हो जाने के कारण अब दूध देना बंद कर दिया था।

प्रश्न 6.
कारण हलखखए:
a. करामत अली लक्ष्मी के हलए सानी तैयार करने लगा।
b. रमजानी ने करामत अली को रोगन हदया।
c. रिमान ने लक् को इलाके से भहर तोडा हदया।
d. करामत अली ने लक् को गऊशाला मे भरती हकया।
उत्तर:
a. सुबह से रमजानी या रहमान किसी ने भी लक्ष्मी को चारा, दर्रा कुछ भी नहीं दिया था। लक्ष्मी बहुत भूखी थी।
b. रहमान के मारने के कारण लक्ष्मी की पीठ पर चोट आई थी।
c. रहमान ने सोचा कि लक्ष्मी नाले के पास उगी दूब खाकर पेट भर लेगी।
d. पैसे की तंगी के कारण करामत अली लक्ष्मी के दाने-चारे का प्रबंध नहीं कर पा रहा था। वह लक्ष्मी को भूखों मरता नहीं देख सकता था।

प्रश्न 7.
हिंदी-मराठी मे समोच्चरत शब् के हभन नर् हलखखए:

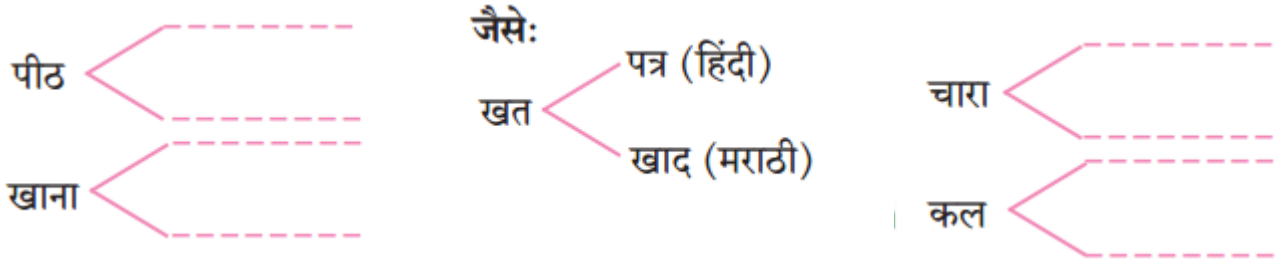

उत्तर:

	हिंदी	मराठी
(1) खत	पत्र	खाद
(2) पीठ	पीठ (शरीर का अंग)	आटा
(3) खाना	भोजन	दराज
(4) चारा	उपाय	जानवरों को खिलाने की सामग्री
(5) कल	बीता हुआ अथवा आने वाला समय (कल)	रुझान, प्रवृत्ति

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न.
यदि आप करामत अली की जगि पर होते तो' इस संदभ् मे अपने हिचार लिखिए।
उत्तर:
करामत अली दोस्त को दिए गए वचन को निभाने वाला और पशु की पीड़ा समझने वाला इन्सान है। यदि करामत अली की जगह मैं होती/होता तो मैं भी वही करती/करता, जो करामत अली ने किया। जब हम किसी पशु को पालते हैं, तो उसकी सुख-सुविधा और खाने-पीने की उचित व्यवस्था करना हमारी जिम्मेदारी होती है। यदि मेरे समक्ष करामत अली जैसी स्थिति (आर्थिक संकट) उत्पन्न होती, तो मैं भी अपने पालतू पशु को भूखा मरते देखने या उसे कसाई के हाथों बेचने के स्थान पर किसी अच्छे पशुघर (गऊशाला) में ही दाखिल कराती/कराता। पशुघर में अपने जैसे अन्य पशुओं के साथ मेरा प्रिय पशु भी सुखपूर्वक अपना शेष जीवन बिता सकता। इससे मुझे बहुत संतोष होता।

भाषा बिंदु

प्रश्न 1.
निम्नलिखित वाक्यों में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए:

१. ओह कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है
२. मैंने कराहते हुए पूछा मैं कहाँ हूँ
३. मँझली भाभी मुट्ठी भर बँदियाँ सूप में फेंककर चली गई
४. बड़ी बेटी ने ससुराल से संवाद भेजा है उसकी ननद रूठी हुई है मोथी की शीतलपाटी के लिए
५. केवल टीका नथुनी और बिछिया रख लिए थे
६. ठहरो मैं माँ से जाकर कहती हूँ इतनी बड़ी बात
७. टाँग का टूटना यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना
८. जल्दी-जल्दी पैर बढ़ा
९. लक्ष्मी चल अरे गऊशाला यहाँ से दो किलोमीटर दर है
१०. मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो कहो कविता कैसी रही

प्रश्न 2.
निम्नलिखित विरामचिह्नों का उपयोग करते हुए बारह-पंद्रह वाक्यों का परिच्छेद लिखिए:

विरामचिह्न	वाक्य
।	
–	
?	
;	
,	
!	
‘ ’	
“ ”	
x x x	
— 0 —	
.....	
( )	
[ ]	
^	
:	
-/	

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:

विरामचिह्न	वाक्य
।	लक्ष्मी बड़ी भयभीत और घबराई हुई थी।
–	मालिक आज दर्रा-खली कुछ नहीं।
?	कौन खरीदेगा इस बूढ़ी गाय को?
;	हिंदी साहित्य के विकास; उन्नति में डायरी का भी योगदान है।
,	देखो, मुझे गाय बेचनी ही नहीं है।
!	ये देखो चाचाजी!
‘ ’	गोआ में ‘सी-फूड’ की अधिकता है।
“ ”	“ऐसी कोई विशेष बात नहीं है।”
x x x	हे ग्रामदेवता नमस्कार xxx
– ० –	इस तरह राजा – ० – रानी सुख से रहने लगे।
.....	तुम इस गाय को लेकर क्या करोगे.....?
( )	रवींद्रनाथ ठाकुर का [(बंगला भाषा) अनुवादित (अनूदित)] साहित्य सभी पढ़ते हैं।
[ ]	रवींद्रनाथ ठाकुर का [(बंगला भाषा) अनुवादित (अनूदित)] साहित्य सभी पढ़ते हैं।
^	मामा जी आगरा से आएँगे।
:	मनु (हँसते हुए): मैंने तो लड्डू का डिब्बा देखा भी नहीं।
-/	परीक्षार्थी उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण में से एक तो अवश्य होगा।

प्रश्न.
हकसी पालतूप्री की आतमकरा हलखखए।
उत्तर:
ऐसे अनेक जानवर हैं, जो या तो संख्या में कम हैं या बदलते पर्यावरण और परभक्षण मानकों के कारण लुप्तप्राय हो रहे हैं। साथ ही वनों की कटाई के कारण भोजन और पानी की कमी हो जाना भी इनकी आबादी कम होने का कारण है। भारतीय वन्थ जीवों में अनूप मृग, चौसिंगा, कस्तूरी मृग, नीलगाय, चीतल, कृष्णमृग, एक सींग वाला गैंडा, सांभर, गोर, जंगली सूअर आदि दुर्लभ प्रजातियाँ हैं।

पर्यावरण संतुलन में इन जीवों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इन प्रजातियों में बड़ी तेजी से गिरावट आ रही है। भारत में स्तनपायी वन्य जीवों की 81 प्रजातियाँ संकटग्रस्त हैं। इनमें से कुछ हैं- शेर, चीता, बाघ, सफेद तेंदुआ, गैंडा, जंगली भैंसा, जंगली सूअर, लाल पांडा, चिम्पैंजी, नीलगिरि लंगूर, बारहसिंगा, कस्तूरी मृग, नीलगिरि हिरन, चौसिंगा हिरन, कश्मीरी हिरन आदि।

कुत्ते की आत्मकथा
मैं गलियों में मारा-मारा फिरने वाला एक कुत्ता हूँ। मैंने अपने जीवन में बहुत सुख-दुख सहे हैं। मैं आपको अपनी व्यथा-कथा सुनाता हूँ।

मेरी माँ एक किसान-परिवार की पालतू कुतिया थी। उसी के घर में मेरा जन्म हुआ था। मेरा रंग दूध की तरह सफेद था। बच्चे-बूढ़े सभी मुझे प्यार से उठा लेते थे। वे मुझे गोद में लेकर सहलाते। लोग मुझे तरह-तरह की चीजें खाने के लिए देते थे। मैं बहुत खुश था।

एक दिन उस किसान ने मुझे एक अमीर आदमी के हाथों सौंप दिया। मेरा मालिक मुझे पाकर बहुत खुश हुआ। वह मेरा बहुत ख्याल रखता था। वह मुझे 'टॉमी' कहकर बुलाता था। जहाँ भी जाता, वह अपने साथ मुझे ले जाता था।

मैं भी अपने मालिक की बहुत सेवा करता था। रात के समय में उसके बँगले की रखवाली करता था। मालिक के बच्चे मुझे बहुत प्यार करते थे। लेकिन सब दिन एक समान नहीं होते। धीरे-धीरे मेरा स्वास्थ्य गिरने लगा। मैं कमजोर होता चला गया। न मैं अब पहले जैसा ताकतवर रहा और न ही सुंदर। इसलिए मेरे प्रति मालिक और उसके परिवार का रुख बदल गया।

मेरे बुढ़ापे ने मुझे कहीं का नहीं रखा। मुझे अब अपना जीवन बोझ-सा लगने लगा है। मैं पेट भरने के लिए मारा-मारा फिरता हूँ। जिसके दरवाजे पर पहुँचता हूँ, वही दो डंडे जमा देता है। (यहाँ पर 'कुत्ते की आत्मकथा' नमूने के रूप में दी गई है। विद्यार्थी अपनी पसंद के पालतू प्राणी की आत्मकथा लिखें।)

https://www.evidyarthi.in/